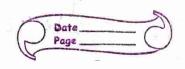
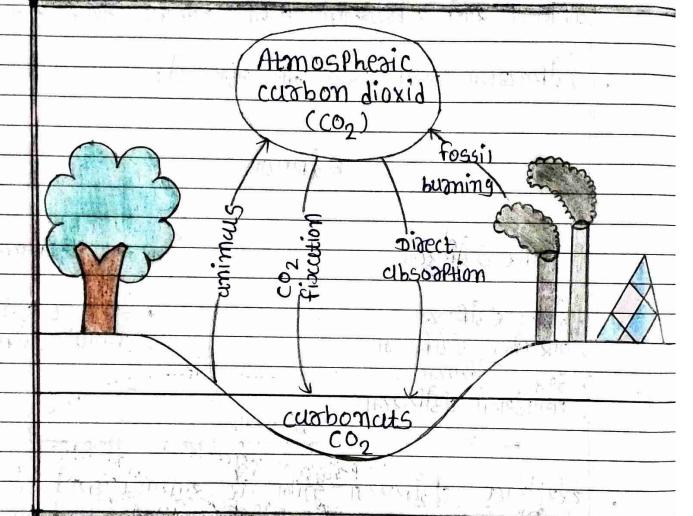
	$U\underline{\underline{nit}} = \underline{\underline{1}}$
1.	र्धिशिस्ट्रेश. Раде
(1)	धिकी विश्व स्थान क्षेत्र क्षेत
\Rightarrow	एडी सिश्टम की एडीसीज कीवुं प्रांधारणीय कार्न डार्पशीम कीडम हो डे डेमां समुपी तीनी बीमेर क्यापेसा की-प्राणिशिड वातापरण सारो कीडसप्रतापी रहीने क्यांट्रितय मणपी राजी हो.
•	रिडोसिस्ट्रमना भुरूप पुढारी नीर्थ भुरूप छै:
	1,071
	ઈક્રીસિસ્સ
Y	पार्पीय रिडोसिस्स क्राय्य रीडोसिस्स
	. हीरेस्ट राष्ट्रीसिस्टम . ग्रासमीन्ड राष्ट्रीसिस्टम . उन्ह्र राष्ट्रीसिस्टम . राणप्रदेशनी राष्ट्रीसिस्टम
•	रेरेस्ट्रीयम एद्वीसिस्टम क्लीन यर यक्तित्य घराते छे ज्यारे योक्रतेरीक यन्याम ज्यायर एद्वीसिस्ट्रम पाणीमां यक्तिता घराते छै.
-	
•	इरिस्ट ; ग्राप्सलेंड , राएडिशनी छिडी सिस्टम देरेस्ट्रीयल छिडीसिस्टमना पुडारी छै.
•	अयारे दीया योग्स अने हिर्पाणि शिम्नीसिस्टम अनेवरीरिङ अनेयते दे आयार शिमेरिस्टमना युदारो हो.
I No constitution	
11.50	
1748	

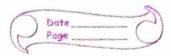


(2) उत्तानि यह अम्मारापी १

डार्जन यर्ड:-



पर्पावरणमां व्यक्तित्व हरावता नमाम समुवीना जेहारणमां कार्जन हो तेवी तो हरेड समुव म्यारे मृत्य पाने हो त्यारे तेमां रहेल कार्जन पर्पावरणमां त्यारी भ्राप हो. प्रमाशनी प्रक्रिया ह्यम्यान स्वपंता प्रक्राम्यानी विविध प्रक्रारामा कार्जी मुहिरा ह्यम्यान स्वपंता प्रक्राम्यानी विविध प्रक्रारामा कार्जी हों। इंडिस, प्रीरीन्स स्मानी स्वक्रिया यान्यात्रमां त्यारी भ्राप हो. प्रक्राशसंवरीसण स्माया कार्जन स्वीरीनापुर्व स्वीराहची हरेड समुवनुं जेहारण जने हो समुवीनी मेराजीलीम्मानी प्रक्रियाची तेमां। क्रीयो जने हो तेना उर्ध्यासपी अर्जन आपी क्रायंन होर्जन स्वीराहची क्रायंन क्रायंन



रीते डार्जन यर्ड यासु रहे छे अने समुव पौगार्नु अधितत्य हारापे छी. खारापा रक्षापी राजे छी. डाजित गर्डमां ग्रह्मश्रम्थियानी प्रक्रिया: काडपानमां रहेम सीता कानं द्या है केने डामीयेडीस उही ही. ते अपेती वैडिपेशन क्वेनर्जनी महस्पी क्यार, प्रौरीन्स स्पर्न स्थार्थ अनार्थ ही. हीमां आहित बहैसी हीय ही. ही हरेड सल्यन अवन रडावी राजवा मारे अर्री छै. भेना पर हरेड आपीरिक हारड सीतानुं स्मीरतन्य भागपे छै. (3) वाहिरीक्ष मह अअअती नाध्येष्ठत यर्ड:-Dentailicution fixution Ammonification Dentaifieution figing Bucteria NH4) Assimilation Bacteria NOZ NH3



पाणी तथा वनस्पितना जंधारणमां अर्जन पछी महत्वतुं तत्य नाधिरोकन हो, वातायरणमां नम्म , नाधिरोकन हो, समुवी वातायरणमां नाधिरोकना सीधरे उपपीठा नाधी करी माडता परंतु जोडरीरपा वारा पती जापीर्डिम्बिम पुडिपापी भारी नाधिरोकन कमीनमां बहेमा हृद्दती स्वायमां नाधिस्य स्वया जातरमां बहेमा नाधिराधिय प्राय सीधाप हो सने वनस्यित्यां नीना जंधारणमां प्रयोधी हो.

उपा ज्यांत विविध प्रधारनी ज्ञायीं जित्र प्रियाओं वाश सञ्चर्ष द्रीस्प्रस्म, अस्ट्र यंत्रीरे नत्यी आत्पमात्रामां भीणवे ही ते अन्य सञ्चरीता ज्ञांसरणमां अधारानी त्माग मञ्जी ही,

करारे जाड्यान तथा पाइने १३२ी मात्रामां नाहिरीकन, द्रीस्ट्रस सीडियम क्रिया तथी पाइनिद्ध रीते नथी भेगवी शहना त्यारे डेमिद्धम इरिसाधिर वारा क्रीमीनिया, सम्हर क्रीरेनुं स्थानर क्यायवानां क्यावे हो.

(4) 8ta-dasse Past And?

=> भानप, प्राप्ती, प्रमिश्चीची स्वध्ने ऋषान, दीडी, अडीडा, अपश्रेतम्बी, जीडरेरिया अनी भाषक्षीक्स स्वित तमाम स्वध्वीना ज्यापीडायपिरिटीमां समापेश पाप हते.

भैप धीपिरप पृथ्वी पर अस्तित्व द्वरावता भवीनी अमुहिद है असम्बन्ध ग्रेयवाडा लरेमुँ हीवा द्वता या विश्वमां ते औड़ अहत्वनुं सम्राम छे. विविद्द सभवी प्राप्तर सार्व द्वीन



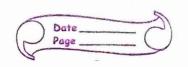
	Page
*	La chaeud curul:-
No. 5	पार्षिय, रागप्रदेश, ध्वीप अनी हियार क्रीत अभाम भवस्रिक्ती वेषियपताने क्षेप-वेषिय दुईवामां आवे हैं.
	R B FE FE FE FE FE FA THE RESERVE FOR THE SECOND SE
*	क्रिय- विविध्यना पुडारी:-
	1) આમુલંશિક જેવ તૈવિદય
28753	2) પ્રમતીપ જેવ દીવિદય
	3] छड़ीसीम भेव वीविध्य
116	व्यनुंपंशिष्ठ र्विय-विद्यः
1)	भी के प्रभावार्य भी विषय के ही है है। प्रोपरमा भी भी
1	र्यंत ही श्वारे स्वाइडाना हाड़ी स्वाम ही.
1877 181 2]	your of a character of the control o
•	क्षेत्र हेरा वीर्यम की कीया मणती क्षेत्र ह प्रभावीं पुभवीय क्षेत्र धीव्या करे हो रणप्रदेशमां भीया मणती वसीयों ती प्रभाविमें रूपने क्षेत्र वीर्यमां भीया मणती प्रभावीं भी.
3)	<u>ઈક્રીલો</u> જે ઇ લેવિદય:
	होत ही तेमा आर्थेत प्राणी, पत्तीओ, अडवान वर्गे.



Total and the second of the se	
(5)	ક્રીત્રેસ્ટ દક્ષિટિસ્ટરમ અમાગાળી.
1	इरिस्ट एडीसिस्टम कुंगि स्नि क्रंगिना स्निम्प्टमा एडीसिस्टमा एडीसिस्टमा एडीसिस्टमा एडीसिस्टमा एडीसिस्टमा एडीसिस्टमा स्निम् स्निमें स्निमें क्रिक्नी
•	लाश्तमां हंगसीनं १४-२० २६० द्वपरेष्ठ हो मंगमी प्रयु, प्रमीय्नी, मुवहंतुस्मी स्मनी साम्य समामने तीम्रा प्राप्टितिह
IJ	द्रौतिष्डम क्येयर जीन देन- इरिस्ट:-
•	उक्ता हिरणंघना आवा रंगमीनी भात्र धीडी रक्तांचीमां प्रसाही रंगमी हरे. रूपा औड वर्षमां सरेराश ४०-४०० हिस्स प्रसाह पडे ही
2)	दीधिक्स हैिम्हायसरैन - ड्रीरैस्र :-
•	भाषा कंग्रामीनें सुरूप संप्तां भी ही है तैना धुमीना पान पड़ीला डीप ही, अपने कंग्रमी आह हीप ही, उनाली अने कित्पाली अमा को स्पष्ट सीम्बन भीषा भणी ही.
3)	हैम्परेट व्यीपराजीन इरिस्ट :-
•	समशीतीया हिर्पाद्या सराजहार कंग्रामी छै भेमां धुमीनी संज्या स्वीधी धरेत पर्याय संज्यामां की अने शियाण भीया मणी छै



(6)	बहातिहुराध्य हिन्नुसिन्डम रिन्नु संन्यु हे
=>	सहायनं २०१ ८८. प साज टर्ण डि.मी झैतापैसं छै. ते विश्वनी सीपी मोटी रूणपहेशनी निर्धिम्हरम छै. ते सेपीस्त सेनमां सीपी गरम पहेश छै. ते हिथानी सपारीपी स्महािक 1000 भीरर सरेशश जियाछी स्पापीस छै स्पाहिसाना जंडेना जित्रीप विस्तारमां स्पापीसा स्मा पहेशमां इस म हेशो स्पापीसा छै.
•	क्रमां स्प्रिकाशीया, क्रास्त्रिया, मामी, बाड, ठाएकर, परियम सहारा, सहारा, मीरिया सीरिया क्राती भीरप्ती क्रिया हैशीनी समाधीश पाप हो.
Ange Ange	तैनी युर्वपी पश्चिम प्र४०० हि.मी पंजाही है न्यून उतर पी हिमारा ४०० पी 1200 हि.मी पहीणारी छै न्या प्रहेशन्तुं हपामान भूज र ग्राथम स्मुड हो क्षत्रि प्रसानापमान नीय
13. 4	रहे छै. प्रसाह निह्मत छै. भुस्मा एउदी यने देतीना द्वारागे हियसना लाममां 40-50 C श्रेटमें प्रसागामान यह छै.
(7)	દાશ્રીમીયુક્સ કુરપિંદર પિશે સંમુજાતી.
	छितिमिष्ठम इरिप्रल स्ने ठमीजम दुरिप्रल निर्पे धारा प्रीत्माहित करपामां आर्थमी स्नेपी पुरित हो है ने मागणीय मांगीनी पुरित्मर सं समर पाप हो तेनुं आपत इरे हो हेड्रार्समां ह्यांपता पुरितन्तुं से होगाइण स्नेरीण हो है ने मागप स्विम्त्यने क्रणपी राजपा मारी न्यरी हो स्पने ते छितीमोग्रहम स्वीडाउन्हींग पहित प्राय मानवीप मांगीने स्वनुसरे हो. हिडीमोग्रहम इरिज् से हेड्रारमां भाषपामां



*	प्राइतिक क्रांनीनी मांगना विविध प्रायी:
	द्यार्थन सेन्ड: भाषायीय प्रदान प्राया उत्तर्वन प्राया उत्तर्वन प्राया उत्तर्वन व्याप्ता अप्ता अ
.15	उत्तेत्रकाती प्राणीत तीन्ड इहे ही.
2	
<u> </u>	अवप कंग्रांनीय पेहारा जिल्ला क्या आहे. कारी द्वीरेश्ट सेन्डना मेगडणने डीरेश्ट सेन्ड दुई ही.
<u>3</u>	ग्रेडीला तैन्छ: इध, भांस अनी आनीप भागपीप भारे पश्यी भारे भारे भारे भारे भारे भारे भारे भारे
4 <u>4.</u>	जीस्ड्रम्य सैन्ड: रहेडाएा, उद्योगी, हाधी-ती तथा अन्य आनती भारती भारती भारती भीगडण ने जीस्ड्रम्य सैन्ड प्रहे ही.
(8) =>	કાસામ : દતું. માયત નાક્ષ્ય મારા માંદીની શ્રુક્ત અંગલીની શ્રુપ શ્રુક્શાળ કતું. માયત નાક્ષ્ય માંદીની શ્રુક્ષ્ય અંગલીની શ્રુપ્ય જરૂદિયાળ કાસામ :
	1. पाष्ट्रीनी प्रतास १३रियाची : 2. पाष्ट्रीनी परीक्ष १३रियाची :
1.	गाठीनी प्रतादा इरियानी :-
•	પીવા, રસીઈ કરવા, કપડા દ્યીવા, સારસરાઈ અને બાંદકામ આર્ટ જરૂરી પાણીને પત્પુકા જરૂરિપાળ ગણાળી શકાય.



	Tage 9
	તેમાં માળીની ઉપાયોગ એદ્યો માનલીય જરૂરિયાત આરે
9.	माह्यम् में इंडिताया :-
	પરોજા રીતે પણ સ્વાપણને દાળી જરૂજિયાની રફેતી હોય છે. ઉ.દા. તરીકે જે દાઉં સ્વાપણે ખોટાક તરીકે સ્પાઈએ દર્શરમે તેના ઉત્પાદનમાં પણ દાણે પાણી જોઈએ કે જેના ડારા દાઉનું ઉત્પાદન શાય છે. એવી અંદાજ ભગવેલ છે કે એક રન દાઉના ઉત્પાદનમાં 1300 ટન પાણીની જરૂર પહે છે.
	1. સ્પૈક ગ્લાસ દ્દા = 200 લીટર પાણી 2. સ્પૈક ક્યા સા = 50 લીટર પાણી 3. સ્પૈક કિલો બરાકા = 70 લીટર પાણી 4. સ્પૈક કેઝબર્ગર = 2400 લીટર પાણી.
	Heas of the substance of earth evillable of 0.40- 20.20
	0.00 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6



	योषुं कही शहाय है जडपूरी धारती कती अंसायकीकी
	માંગાની કારણી પાકૃતિક મંદાાનીની જયશી અપાસ થઈ જાપ
	તારે ગ્લીબલ બાર્મોલીયુક્સ અનેવર શર શપુ કરેવાય.
•	ઉત્દા નરીક વિશ્વામાં ચૈરીવિયમની કીમાન્ડ દાખી છે. તેથી
	पीरी सिपमलं उत्पाहन अनेरसं तहते जाप हरे के तेना अपारमीमां
	તે આમાર્શ દાવા સ્થાપાયું હતે.
	2 10 10
•	1970 सी विश्वित स्मीति स्थीपारहार हाही जाय हु ने जिपरा
	ग्राइना भेश शहाप हते. १ क्रोक्सीस पर प्रातीनी संस्पा
	દરાવિ છે.
*	c/10010 24010 2.3.12012A 2.2.29.
<i>1</i>	द्रितिक अपिक ज्योपक्रायी जनमंत्री:-
	1. લાતાલરણમાં કાર્બનનું યુમાણ લઘશે.
	2. ગ્રીન કાઉમ ગ્રેમીયનું ઉત્પાદન દાણ વધી જશે.
	3. ગલીબલ લામીજાા માર્ગલ
, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	4. કલાઈ જોર ચોન્જ
1,1,	5. 30141 of 149121
	6. જેવ વેલિટા દારી જરી.
y, ¹¹ ,	7. इप्रध्य क्रमीनर्नु घोषाए।
	8. अञ्च उत्पाह्य अभगामां हाराडी.
	१. वातावरणनं खरेशश किरणतामान वहत करी.
(
	State of the state
	7 in the state of

- ×

to the second